यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2022

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 12 तत्व

अंक 100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

गमक का थोकड़ा

प्रश्न 1. अंको में उत्तर दीजिए- **10**

1. खेचर युगलिक उत्कृष्ट गमक से वाणव्यन्तर के घर में जावें तो उसकी उत्कृष्ट अवगाहना कितनी होती है।
2. जघन्य 2 भव उत्कृष्ट संख्यात भव के कुल कितने गमक होते है।
3. शेर काल करके नैरयिकों के घर में जावें तो कुल कितने गमक होते है।
4. अर्द्धनाराच संहनन वाला कबूतर काल करके उत्कृष्ट कौन से देवलोक तक जाता है।
5. कम हुए 84 गमक में औघिक के कितने गमक हैं।
6. आणत देवलोक में जाने वाले संज्ञी मनुष्य की जघन्य स्थिति क्या होती हैं।
7. पृथ्वीकाय के घर में जाने वाले 5 स्थावर और तीन विकलेन्द्रिय के कितने नाणत्ता होते हैं।
8. वैक्रिय के घर संबंधी आगति स्थान कितने है।
9. वज्रऋषभनाराच संहनन वाला संज्ञी मनुष्य वैक्रिय के कितने घरों में जाता है।
10. 12 वर्ष की स्थिति वाला द्वीन्द्रिय पृथ्वीकाय के घर में परस्पर गमनागमन करे तो उत्कृष्ट कितने भव करता है।

प्रश्न 2. सही/गलत बताएँ- **10**

1. ऋषभनाराच संहनन वाला साँप छठी पृथ्वी में जावें तो उत्कृष्ट 22 सागर की स्थिति पाता है। ( )
2. असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय अ.मु. में 1000 योजन की अवगाहना पूरी कर लेता है। ( )

3. मनुष्य के घर में वैक्रिय के 34 जीव आते है। ( )

4. असंज्ञी मनुष्य असुरकुमार के घर में औघिक गमकों (1,2,3) से ही जाता है। ( )

5. पहले देवलोक का देव अप्पकाय के घर में जावे तो लेश्या का नाणत्ता नहीं पड़ता है। ( )

6. तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्कृष्ट स्थिति में उत्पन्न होने वाले संज्ञी मनुष्य की जघन्य अवगाहना पृथक्त्व अंगुल और स्थिति पृथक्त्व मास की होती है। ( )

7. 900 धनुष झाझेरी की अवगाहना वाले मनुष्य युगलिक अकर्मभूमि में भी पाए जाते है। ( )

8. जिसके हाथ, पैर, सिर, गर्दन प्रमाणोपन होते हैं किन्तु उदर का हिस्सा कम या अधिक प्रमाण वाला होता है उसे वामन कहते है। ( )

9. मनुष्य के घर में असंज्ञी मनुष्य औघिक से उत्कृष्ट गमक से जावे तो उत्कृष्ट में असंख्याता उत्पन्न होते है।( )

10. जघन्य 2 भव उत्कृष्ट 8 भव के उत्कृष्ट गमक 624 होते है। ( )

प्रश्न 3. निम्न प्रश्नों का उत्तर दीजिए – **10**

1. पृथ्वीकाय के घर में वैक्रिय के जीव आवे तो कुल कितने नाणत्ता और गमक होते है?

.....

2. जघन्य गमकों से पहले देवलोक में जाने वाले संज्ञी मनुष्य में कितने ज्ञान–अज्ञान पाए जा सकते है?

.....

3. ऐसा कौन–सा घर है जहाँ जीव तीन गमक से ही आता जाता है।

.....

4. क्रोड़पूर्व की आयुष्य वाला महाविदेह क्षेत्र का मनुष्य काल करके 8वें देवलोक के घर में जावें तो किन–किन बोलों का नाणत्ता पड़ता है?

.....

5. अप्पकाय के घर में क्रोड़पूर्व की स्थिति वाला स्थलचर हाथी जावे तो किन बोलों को नाणत्ता पड़ता है?

.....

6. जघन्य से उत्कृष्ट गमक से वायुकाय के घर में जाने वाले वायुकाय के जीव में कौन–से शरीर पाए जाते है?

.....

7. पृथक्त्व मास की स्थिति वाला मनुष्य काल करके पहली पृथ्वी में उत्कृष्ट स्थिति में जावें और वहाँ से निकल कर मनुष्य के घर में आवे तो जघन्य कितनी स्थिति प्राप्त करता है।

.....

8. पृथ्वीकाय का जीव जघन्य तीन गमको से मनुष्य के घर में आवे तो अध्यवसाय कैसे होते है।

.....

9. 10 वर्ष की स्थिति वाला लड़का काल करके 10वें देवलोक में जघन्य स्थिति पावे तो यह किस गमक से संभव है? उसका जघन्य कालादेश कितना होगा?

.....

10. तिर्यंच पंचेन्द्रिय के घर में आने वाले औदारिक जीवों के कुल गमक कितने होते है?

.....

प्रश्न 4. निम्न प्रश्नों का उत्तर दीजिए – **15**

1. बरसात में उत्पन्न मेढ़क 44 घरों में से कितने घरों में जाता है? घरों का नाम लिखें?

.....

.....

2. संज्ञी मनुष्य वैक्रिय के घरों में उत्कृष्ट गमक से जाता है तो अवगाहना का नाणत्ता पड़ता है? कारण स्पष्ट करें?

.....

.....

3. किस घर में, कौन–से जीव, किन गमको से उत्कृष्ट में अनंत उत्पन्न होते है? उस घर में उत्कृष्ट स्थिति वाला वैक्रिय का जीव उत्कृष्ट स्थिति में उत्पन्न हो तो उसका उत्कृष्ट कालादेश और भवादेश क्या होगा।

.....

.....

4. धूमःप्रभा पृथ्वी की उत्कृष्ट स्थिति वाला नैरयिक मनुष्य के घर में उत्कृष्ट स्थिति में परस्पर गमनागमन करे तो उत्कृष्ट कितने भव कर सकता है? उसका उत्कृष्ट कालादेश कितना होगा?

.....

.....

5. असुरकुमार के घर में उत्कृष्ट स्थिति वाला तिर्यंच युगलिक उत्कृष्ट से औघिक गमक से जावे तो जघन्य और उत्कृष्ट कालादेश क्या होगा?

.....

.....

6. सातवीं पृथ्वी में जाने वाले संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय का भव स्थान कौन–सा है भव स्थान का वर्णन कीजिए (स्थिति, भव, गमक)

.....

.....

7. 24वें उद्देशक में वर्णित कितने घरों में दो प्रकार के युगलिक जाते है उनके कुल कितने गमक और कितने

नाणत्ता होते हैं?

.....

.....

8. उत्कृष्ट स्थिति वाले दो मत्स्य जलचर, उत्कृष्ट से उत्कृष्ट गमक से एक छठी पृथ्वी में जावें और एक सातवीं पृथ्वी में जावे तो उनका जघन्य कालादेश क्या होगा?

.....

.....

9. संज्ञी मनुष्य उत्कृष्ट स्थिति वाला काल करके तेउकाय के घर में उत्कृष्ट स्थिति पाता है और वापस वहाँ से निकल कर वायुकाय के घर उत्कृष्ट स्थिति पावे तो काला देश कितना होगा?

.....

.....

10. मनुष्य के घर में औदारिक के कौन-से जीव एक समय में उत्कृष्ट में असंख्यात उत्पन्न हो सकते है? किन गमकों से असंख्यात उत्पन्न होते है, गमक का नम्बर लिखें?

.....

.....

दिशाणुवाय का थोकड़ा **अंक 20**

प्रश्न 5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए- **10**

1. लवण समुद्र में गौतम द्वीप ..... दिशा में है।
2. पृथ्वीकायिक जीव सबसे अधिक ..... दिशा में है।
3. दक्षिण दिशा में भवनवासी देवों के भवनों की ..... है।
4. सलिलावती और वप्रा विजय ..... महाविदेह क्षेत्र में है।
5. पूर्व दिशा में ..... पृथ्वी अधिक है इसलिए वायुकाय थोड़ी है।
6. कृष्ण पाक्षिक जीव ..... दिशा में अधिक उत्पन्न होते है?
7. आवलिका प्रविष्ट विमान ..... दिशा में है?
8. पंचेन्द्रिय तिर्यंच सबसे अधिक ..... दिशा में है?
9. दक्षिण दिशा के भरत क्षेत्र की अपेक्षा ..... दिशा का क्षेत्र संख्येय गुणा अधिक है।
10. उत्तर दिशा में मानस सरोवर में ..... निमित्त बहुत से ज्योतिष्क देव रहते है।

प्रश्न 6. निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए - **7**

1. मानस सरोवर कितना लंबा चौड़ा है?

.....

2. किस पृथ्वी में नैरयिक सबसे अधिक है?

.....

3. पुष्पावकीर्ण विमान किन दिशाओं में है?

.....

4. बादर तेजस्कायिक किस दिशा में सबसे कम और किस दिशा में सबसे अधिक है?

.....

5. श्रीमद् जीवाजीवाभिगम सूत्र की अपेक्षा चन्द्र-सूर्य की राजधानियाँ क्रमशः किस दिशा में बतलाई गयी है?

.....

6. किस सूत्र की टीका के अनुसार पुष्पावकीर्ण विमानों का पूर्व दिशा में अभाव बताया गया है?

.....

7. तीन विकलेन्द्रिय किस दिशा में सबसे कम और किस दिशा में सबसे अधिक है?

.....

प्रश्न 7. आगमकारों के अनुसार भवनवासियों के दो विभाग कौन-से है? दोनों भवनवासियों के कितने-कितने भवन है? किस दिशा वाले भवनवासी देवों के भवन अधिक है? 1½

.....

.....

.....

प्रश्न 8. सिद्ध भगवान पश्चिम दिशा में सबसे अधिक क्यो है? कारण स्पष्ट करें? 1½

.....

.....

.....

अजीव पर्याय **अंक 35**

प्रश्न 9. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **15**

1. लोक में कितने आकाश प्रदेश है?

.....

.....

2. अरूपी अजीव की पर्याय के कितने भेद है? कौन से ?

.....

.....

3. अजीव पर्याय में अवगाहना की अपेक्षा कितने आलापक कहे गए है?

.....

.....

4. बादर अनंत प्रदेशी जघन्य और उत्कृष्ट कितने आकाश प्रदेशावगाढ़ होता है?

.....

.....

5. संख्यात समय की स्थिति वाले दो अनंत प्रदेशी स्कंध स्थिति की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकते है?

.....

.....

6. सूक्ष्म अनंत प्रदेशी स्कन्ध में कौन-कौन से स्पर्श पाए जाते है?

.....

.....

7. एक प्रदेशावगाढ़ पुद्गल ऐसे ही दुसरे पुद्गल से प्रदेश की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकता है?

.....

.....

8. मध्यम अवगाहना वाले दो संख्यात प्रदेशी स्कन्ध अवगाहना की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकते है?

.....

.....

9. जघन्य गुण सुरभिगंध वाले परमाणु पुद्गल में वर्णादि के कितने और कौन से बोल पाए जा सकते है?

.....

.....

10. जघन्य स्थिति वाले अनंत प्रदेशी स्कन्ध से जघन्य स्थिति वाला अनंत प्रदेशी स्कन्ध प्रदेश की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकता है।

.....

.....

11. असंख्यात समय की स्थिति वाला पुद्गल क्या एक आकाश प्रदेश अवगाढ़ हो सकता है?

.....

.....

12. नौ समय की स्थिति वाले पुद्गल में वर्णादि के कितने बोल पाए जा सकते हैं?

.....

.....

13. संख्यात प्रदेश अवगाढ़ पुद्गल सूक्ष्म परिणाम वाला होता है या बादर परिणाम वाला?

.....

.....

14. उत्कृष्ट गुण लघु वाला अनंत प्रदेशी स्कन्ध से उत्कृष्ट गुण लघु वाला अनंत प्रदेशी स्कन्ध वर्णादि की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकता है?

.....

.....

15. द्रव्य, क्षेत्र, काल और भाव में से किसकी अपेक्षा पुद्गल में अनंत का बोल नहीं है?

.....

.....

प्रश्न 10. निम्न प्रश्नों को स्पष्ट करें – **12**

1. द्विप्रदेशी स्कन्ध मध्यम अवगाहना वाला क्यों नहीं होता है इसकी जघन्य और उत्कृष्ट अवगाहना क्या होगी?

.....

.....

2. परमाणु यावत् अनंत प्रदेशी स्कन्ध की स्थिति षट्स्थान पतित क्यों नहीं होती है?

.....

.....

3. एक गुण मीठा रस वाला पुद्गल ऐसे ही दूसरे पुद्गल से द्रव्य, प्रदेश, अवगाहना और स्थिति की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकता है?

.....

.....

4. जघन्य स्थिति वाले दो असंख्यात प्रदेशी स्कन्ध स्थिति की अपेक्षा तुल्य होते है, परन्तु जघन्य अवगाहना वाले दो असंख्यात प्रदेशी स्कन्ध स्थिति की अपेक्षा चतु:स्थान पतित होते है? कारण स्पष्ट करें?

.....

.....

5. अचित्त महास्कन्ध किसे कहते है? उसमें वर्णादि के कितने बोल पाए जाते है? कारण स्पष्ट करें?

.....

.....

6. जघन्य अवगाहना वाला जघन्य प्रदेशी स्कन्ध की ऐसे ही दूसरे स्कन्ध से द्रव्य, प्रदेश, अवगाहना, स्थिति और वर्णादि की अपेक्षा तुलना कीजिए?

.....

.....

7. उत्कृष्ट गुण नीले वर्ण वाले दो परमाणु की तुलना प्रदेश, अवगाहना स्थिति वर्णादि की अपेक्षा कीजिए?

.....

.....

8. वर्णादि के 16 बोल जघन्य-उत्कृष्ट कितने आकाश प्रदेशावगाढ़ में संभव है?

.....

.....

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए- **8**

1. उत्कृष्ट स्थिति वाले दो त्रिप्रदेशी स्कन्ध अवगाहना की अपेक्षा कितने प्रदेश हीनाधिक हो सकते है? चित्र के माध्यम से बताएँ ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

2.

:	:.	.	:	:

(अ)

:	.	:	:	.	.	.

(ब)

अ - ब दो स्कन्ध कितने प्रदेशी स्कन्ध है? कितने आकाश प्रदेश अवगाढ़ है? अवगाहना की अपेक्षा कितने प्रदेश हीनाधिक है? यह आकाश प्रदेश है। इसमें लगी बिन्दी पुद्गल प्रदेश है

3. उत्कृष्ट अवगाहना वाले दो पुद्गल एक-दूसरे से प्रदेश अवगाहना, स्थिति और वर्णादि की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकते है तथा उत्कृष्ट अवगाहना वाला अनंत प्रदेशी स्कन्ध से उत्कृष्ट अवगाहना वाला अनंत प्रदेशी स्कन्ध प्रदेश, अवगाहना, स्थिति और वर्णादि से कितने स्थान पतित हो सकता है?

.....

.....

.....

4. उत्कृष्ट अवगाहना वाला संख्यात प्रदेशी स्कन्ध अपनी प्रदेश राशि से आधे या आधे से कम आकाश प्रदेश पर अवगाढ़ रहता है क्योंकि ये स्कंध ऐसे ही दूसरे स्कन्ध से प्रदेश की अपेक्षा द्विस्थान पतित होता है। असत् कल्पना से संख्यात प्रदेशी स्कन्ध की उत्कृष्ट अवगाहना 1000 आकाश प्रदेश माने तो संख्यात प्रदेशी स्कंध में प्रदेश हो सकते हैं–

अ 3000/2000 ब 1200/1000 स 2000/2200

.....

.....

.....

(उत्तर एक से अधिक भी हो सकता है।)